

अध्याय - 1 | व्यवसाय, व्यापार और वाणिज्य

QUIZ PART-11

- स्वदेशी बैंकिंग प्रणाली में किस दस्तावेज़ का उपयोग धन हस्तांतरण के लिए किया जाता था?
 - चालान
 - हुंडी
 - बिल ऑफ एक्सचेंज
 - चेक

(B)

व्याख्या: स्वदेशी बैंकिंग प्रणाली में "हुंडी" धन के सुरक्षित और सरल हस्तांतरण हेतु प्रयोग की जाती थी।
- स्वदेशी बैंकिंग प्रणाली ने भारत को किस नाम से प्रसिद्ध बनाया?
 - सोने की खान
 - व्यापारिक राष्ट्र
 - सोने की चिड़िया
 - विश्व बाजार का केंद्र

(C)

व्याख्या: स्वदेशी बैंकिंग प्रणाली ने व्यापार को सुरक्षित बनाकर भारत को 'सोने की चिड़िया' के रूप में प्रसिद्ध किया।
- व्यवसाय की परिभाषा में कौन-सा तत्व अनिवार्य है?
 - समाज सेवा
 - लाभ कमाने का उद्देश्य
 - केवल सेवाएँ देना
 - केवल उत्पादन

(B)

व्याख्या: व्यवसाय का उद्देश्य लाभ कमाना और वस्तुओं/सेवाओं का उत्पादन व विनियम है।
- व्यवसाय की एक महत्वपूर्ण विशेषता क्या है?
 - अनियमितता
 - जोखिम का न होना
 - नियमितता
 - केवल सेवा प्रदान करना

(C)

व्याख्या: व्यवसाय नियमित रूप से किए जाने वाले गतिविधियों का समूह है।
- पेशे में क्या अनिवार्य होता है?
 - अधिक पूँजी
 - विशेष प्रशिक्षण व योग्यता
 - भारी मरीने
 - व्यापारिक लाइसेंस

(B)

व्याख्या: पेशे में विशिष्ट क्षेत्र का विशेष प्रशिक्षण व योग्यता आवश्यक होती है।

- रोजगार में प्रतिफल किस रूप में मिलता है?
 - लाभ
 - फीस
 - वेतन
 - कमीशन

(C)

व्याख्या: रोजगार में व्यक्ति नियोक्ता से कार्य के बदले वेतन प्राप्त करता है।
- प्राथमिक उद्योग का उदाहरण कौन-सा है?
 - बीमा
 - कृषि
 - वस्त्र उद्योग
 - बैंकिंग

(B)

व्याख्या: कृषि और मत्स्य पालन प्राथमिक उद्योगों के प्रमुख उदाहरण हैं।
- तृतीयक उद्योग किस प्रकार की सेवा प्रदान करते हैं?
 - उत्पादन
 - निर्माण
 - विनियम
 - विभिन्न सेवाएँ जैसे परिवहन, बीमा, बैंकिंग

(D)

व्याख्या: तृतीयक उद्योग सेवा आधारित उद्योग हैं जो परिवहन, बीमा, बैंकिंग जैसी सेवाएँ प्रदान करते हैं।
- वाणिज्य की सहायक क्रियाओं में से एक है—
 - मूल्य निर्धारण
 - परिवहन
 - रोजगार
 - उत्पादन

(B)

व्याख्या: परिवहन वस्तुओं को उत्पादन स्थल से उपभोग स्थल तक पहुँचाने में सहायक होता है।
- व्यवसाय के उद्देश्यों में से 'नवप्रवर्तन' का अर्थ है—
 - पुराने उत्पादों को हटाना
 - कुछ नया करना
 - उत्पादन कम करना
 - बाजार घटाना

(B)

व्याख्या: नवप्रवर्तन का अर्थ है नई वस्तुएँ/सेवाएँ या नए तरीकों का विकास करना।